

A TRIUMPH OF SURGERY – SUMMARY (English)

"A Triumph of Surgery" is a humorous and touching story written by James Herriot, a veterinary surgeon. The story highlights the problems that arise from overfeeding and excessive pampering of pets and shows how simple and natural care can restore good health.

The main character of the story is Tricki, a small and cute dog. Tricki belonged to a wealthy and emotional lady named Mrs. Pumphrey. She loved her pet dearly, but her love was excessive and uncontrolled. She treated Tricki like a child and gave him almost everything he liked to eat, mostly rich and unhealthy food. She believed that giving him more food and comfort was a sign of love. Because of this, Tricki gained too much weight and became very fat, lazy, and unhealthy.

One day, Mrs. Pumphrey saw that Tricki was not behaving normally. He had no energy, did not play, and refused to eat his regular food. Instead, he only wanted rich items like cakes and sweets. She became extremely worried and thought that Tricki was seriously ill. She immediately called Mr. James Herriot, the veterinary doctor, to check him.

When Mr. Herriot examined Tricki, he realized that the real problem was not disease, but overfeeding and lack of exercise. Tricki's body had become weak and his muscles had almost stopped working. The doctor knew that if Tricki continued like this, he might face a severe health crisis. To save Tricki, the doctor suggested that Tricki should be taken to the hospital for proper treatment and regular exercise. Mrs. Pumphrey, although worried, agreed and sent Tricki to the veterinary clinic.

At the clinic, Tricki received no medicine. Instead, he was given simple food in very small quantities and allowed to play and move around with other dogs. The doctor and his staff did not pamper him. Tricki, at first, did not move at all and simply lay in a corner. He missed his luxurious life and special food. However, as days passed, Tricki slowly started showing interest in the playful activities of other dogs. He began to run, jump, and join them in their fun. This natural exercise helped him burn the extra fat and regain strength and confidence.

Meanwhile, Mrs. Pumphrey sent baskets of eggs, bottles of wine, and even brandy to the clinic for Tricki, believing that he needed those things to recover. But Tricki was not given any of these rich items. Instead, the doctor and his staff enjoyed them. They felt thankful because Tricki's stay in the hospital brought them delicious treats every day.

Within a couple of weeks, Tricki became completely healthy. He lost his extra weight and regained his active, happy personality. When Mrs. Pumphrey finally came to take Tricki back, she was overwhelmed with joy. Tricki leapt into her arms, wagging his tail and licking her face. She was extremely grateful to the doctor and believed that Tricki's recovery was nothing less than a "triumph of surgery."

However, the amusing part is that no surgery or medicine was ever used. The real cure was exercise, diet control, and natural activity. Mrs. Pumphrey, without understanding this, thanked Dr. Herriot again and again, believing that modern medical surgery had saved her beloved pet.

The story teaches an important lesson:

Overpampering and overeating can harm health, whether human or animal. Love should not be shown by giving unnecessary food or luxury. A healthy lifestyle, balanced diet, and exercise are essential for well-being. The story also highlights how practical care is more powerful than emotional care when it comes to health. Dr. Herriot's wisdom and patience helped Tricki get back to normal life.

Thus, "A Triumph of Surgery" is a humorous yet meaningful story that reminds us that too much love can sometimes do more harm than good, and real care often requires discipline and balance.

"सर्जरी की विजय" एक हास्यप्रद और मार्मिक कहानी है, जो पशु चिकित्सक जेम्स हेरियट द्वारा लिखी गई है। यह कहानी पालतू जानवरों को ज़रूरत से ज़्यादा खिलाने और उनके साथ बहुत ज़्यादा लाड़-प्यार करने से होने वाली समस्याओं पर प्रकाश डालती है और दिखाती है कि कैसे साधारण और प्राकृतिक देखभाल से अच्छी सेहत बहाल की जा सकती है।

कहानी का मुख्य पात्र ट्रिकी है, एक छोटा और प्यारा कुत्ता। ट्रिकी श्रीमती पम्फ्रे नाम की एक धनी और भावुक महिला का था। वह अपने पालतू जानवर से बहुत प्यार करती थी, लेकिन उसका प्यार अत्यधिक और अनियंत्रित था। वह ट्रिकी के साथ एक बच्चे जैसा व्यवहार करती थी और उसे लगभग हर वह चीज़ खाने को देती थी जो उसे पसंद थी, ज़्यादातर गरिष्ठ और अस्वास्थ्यकर भोजन। उनका मानना था कि उसे ज़्यादा खाना और आराम देना प्यार की निशानी है। इस वजह से, ट्रिकी का वज़न बहुत बढ़ गया और वह बहुत मोटा, आलसी और अस्वस्थ हो गया।

एक दिन, श्रीमती पम्फ्रे ने देखा कि ट्रिकी सामान्य व्यवहार नहीं कर रहा था। उसमें बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं थी, वह खेलता नहीं था और अपना नियमित खाना खाने से इनकार कर रहा था। इसके बजाय, वह केवल केक और मिठाइयाँ जैसी गरिष्ठ चीज़ें ही चाहता था। वह बहुत चिंतित हो गई और उन्हें लगा कि ट्रिकी गंभीर रूप से बीमार है। उन्होंने तुरंत पशु चिकित्सक श्री जेम्स हेरियट को उसकी जाँच के लिए बुलाया।

जब श्री हेरियट ने ट्रिकी की जाँच की, तो उन्हें एहसास हुआ कि असली समस्या बीमारी नहीं, बल्कि ज़रूरत से ज़्यादा खाना और व्यायाम की कमी थी। ट्रिकी का शरीर कमज़ोर हो गया था और उसकी मांसपेशियाँ लगभग काम करना बंद कर चुकी थीं। डॉक्टर जानते थे कि अगर ट्रिकी इसी तरह चलता रहा, तो उसे गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। ट्रिकी को बचाने के लिए, डॉक्टर ने सुझाव दिया कि ट्रिकी को उचित इलाज और नियमित व्यायाम के लिए अस्पताल ले जाया जाए। हालाँकि श्रीमती पम्फ्रे चिंतित थीं, फिर भी उन्होंने सहमति जताई और ट्रिकी को पशु चिकित्सालय भेज दिया।

केन्द्र में, ट्रिकी को कोई दवा नहीं दी गई। इसके बजाय, उसे बहुत कम मात्रा में सादा भोजन दिया गया और दूसरे कुत्तों के साथ खेलने और घूमने-फिरने की अनुमति दी गई। डॉक्टर और उनके कर्मचारियों ने उसे लाड़-प्यार नहीं किया। ट्रिकी, पहले तो बिल्कुल भी नहीं हिला और बस एक कोने में पड़ा रहा। उसे अपनी आलीशान ज़िंदगी और खास खाने की याद आ रही थी। हालाँकि, जैसे-जैसे दिन बीतते गए, ट्रिकी धीरे-धीरे दूसरे कुत्तों की चंचल गतिविधियों में दिलचस्पी लेने लगा। वह दौड़ने, कूदने और उनके साथ मस्ती करने लगा। इस प्राकृतिक व्यायाम ने उसे अतिरिक्त चर्बी जलाने और ताकत और आत्मविश्वास वापस पाने में मदद की।

इस बीच, श्रीमती पम्फ्रे ने ट्रिकी के लिए क्लिनिक में अंडों की टोकरियाँ, शराब की बोतलें और यहाँ तक कि ब्रांडी भी भेजीं, यह मानते हुए कि उसे ठीक होने के लिए इन चीज़ों की ज़रूरत है। लेकिन ट्रिकी को इनमें से कोई भी स्वादिष्ट चीज़ नहीं दी गई। इसके बजाय, डॉक्टर और उनके कर्मचारियों ने उनका आनंद लिया। वे आभारी महसूस करते थे क्योंकि ट्रिकी के अस्पताल में रहने से उन्हें हर दिन स्वादिष्ट व्यंजन मिलते थे।

कुछ ही हफ्तों में, ट्रिकी पूरी तरह से स्वस्थ हो गया। उसने अपना अतिरिक्त वज़न कम कर लिया और अपना सक्रिय, खुशमिजाज़ व्यक्तित्व वापस पा लिया। जब श्रीमती पम्फ्रे आखिरकार ट्रिकी को वापस लेने आईं, तो वे खुशी से फूली नहीं समाईं। ट्रिकी उनकी बाहों में उछल पड़ा, अपनी पूँछ हिला रहा था और उनका चेहरा चाट रहा था। वे डॉक्टर की बहुत आभारी थीं और उनका मानना था कि ट्रिकी का ठीक होना "सर्जरी की जीत" से कम नहीं था।

हालाँकि, मज़ेदार बात यह है कि कभी किसी सर्जरी या दवा का इस्तेमाल नहीं किया गया। असली इलाज व्यायाम, आहार नियंत्रण और प्राकृतिक गतिविधि थी। श्रीमती पम्फ्रे, यह समझे बिना, डॉ. हेरियट को बार-बार धन्यवाद देती रहीं, यह मानते हुए कि आधुनिक चिकित्सा शल्य चिकित्सा ने उनके प्यारे पालतू जानवर को बचा लिया है।

कहानी एक महत्वपूर्ण सबक सिखाती है:

ज़्यादा लाड़-प्यार और ज़्यादा खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, चाहे वह इंसान हो या जानवर। अनावश्यक भोजन या विलासिता देकर प्रेम नहीं दिखाया जाना चाहिए। एक स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और व्यायाम स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। कहानी यह भी दर्शाती है कि स्वास्थ्य के मामले में व्यावहारिक देखभाल भावनात्मक देखभाल से ज़्यादा शक्तिशाली कैसे होती है। डॉ. हेरियट की बुद्धिमत्ता और धैर्य ने ट्रिकी को सामान्य जीवन में वापस लाने में मदद की।

इस प्रकार, "सर्जरी की विजय" एक हास्यप्रद लेकिन सार्थक कहानी है जो हमें याद दिलाती है कि बहुत ज़्यादा प्यार कभी-कभी फायदे से ज़्यादा नुकसान पहुँचा सकता है, और वास्तविक देखभाल के लिए अक्सर अनुशासन और संतुलन की आवश्यकता होती है।